

# दाऊद औज़ि गोलियत



Bangani



# दाऊद औज़ि गोलियत

Bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language  
Orange Level Book

प्रकाशण:-

NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें दाऊद और गोलियत के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



ਪਰਮੇਵਰੇਵ ਦਾਤਦ ਇਸ਼ਾਏਲ ਦੀ ਰਾਜ਼ ਕੌਰਣੇ ਖੀ  
ਛਾਂਟੈ ਥੈ, ਤੈਬੈ ਸ਼ਮੁਏਲੋਵ ਤੇਸਰੈ ਰਾਜ਼ਤਿਲਕ ਕਿਯੈ,  
ਪਰ ਸੇਜੈ ਦੁਸੁ ਦੀ ਸ਼ਾਅਲ ਇਸ਼ਾਏਲ ਦੀ ਰਾਜ਼ ਕੌਰ  
ਥੈ। ਆੜਿ ਪਲਿਸ਼ਿਤਨ ਲੋਗ ਇਸ਼ਾਏਲਿੱਤੇਂ ਰੈ ਸਾਥੈ  
ਲਡਾਈ ਕੌਰਦੁ ਰੈਧੈਣ ਥੈ।



ਜੌ ਪਲਿਸ਼ਿਤਨ ਲੋਗ ਲੜਾਈ ਕੌਰਦੈ ਆਯੈ, ਤੈ ਸੈ ਏਕ  
ਜਾਗਾ ਦੀ ਕੌਟਠੈ ਤਵੈ, ਆਂਜ਼ਿ ਇਸ਼ਾਏਲੀ ਬੀ ਤਿਊਰੈ  
ਸਾਥੈ ਲੜਾਈ ਕੌਰਨੇ ਖੀ ਸੇਜ਼ੀ ਜਾਗਾ ਦੀ ਪੈਂਡੰਚੈ।

ਸੇਜੈ ਬੌਕਤੇ ਦੀ ਦਾਊਦ ਰੈ ਬੌਡੇ ਬਾਈ ਰੀ ਸੈਨਾ  
ਇਸ਼ਾਏਲ ਰੀ ਸੈਨਾ ਰੈ ਸਾਥੈ ਥੀ।



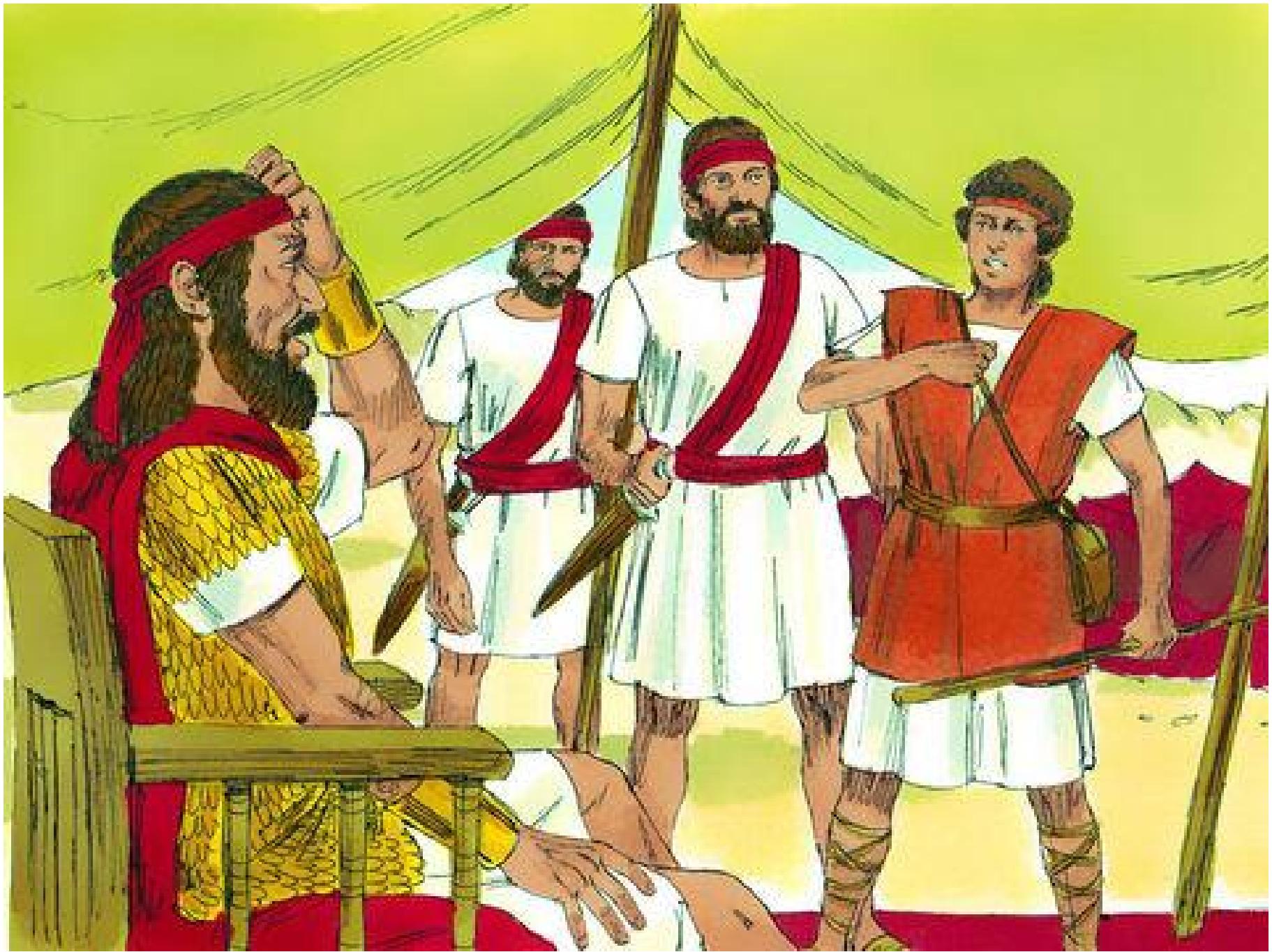
तैਬੈ ਪਲਿਸ਼ਿਤਊੰ ਮਾਈ ਕੌਇ ਗੋਲਿਧਤ ਨਾਊੰ ਰੈ ਏਕ  
ਲੱਡਾਈ ਕੌਰਣੈ ਵਾਲ਼ੈ ਆਅ, ਸੇਊ 9 ਫੂਟ ਲਾਮਕਾ  
ਥੈ। ਤਿਣੀ ਪੀਤਲੇਰੀ ਟੋਪਕੀ ਔਜ਼ਿ ਸੁਰਕਾ ਕਕਰ  
ਥੈ ਬਿੜੌਨਦੌ, ਔਜ਼ਿ ਤੇਸਰੈ ਆਥੇ ਦੀ ਏਕ ਬੌਡੌ  
ਬੌਰਛੌ ਥੈ ਔਜ਼ਿ ਏਕ ਬੌਡੀ ਡਾਲ ਥੀ ਜੇਸ ਏਕ  
ਮਾਣੂਛ ਟਿਪਿਯੌ ਤੇਸਰੈ ਔਗੌਣਿਕੈ – ਔਗੌਣਿਕੈ  
ਆਨਡੈ ਥੈ।



ਜੌ ਲਡਾਈ ਰੈਝ ਥੀ ਤਨਦੀ ਲਾਗੀ, ਤੈ ਇਸੇਇ ਆਪਡ੍ਰੋ  
ਛੋਟੈ ਬੇਟਾ ਦਾਊਦ ਤਿੱਤੇ ਹਾਲਚਾਲ ਪੁਛ੍ਹਦੈ ਛਾਡ੍ਰੋ,  
ਜੌ ਦਾਊਦ ਲਡਾਈ ਰੀ ਜਾਗਾ ਦੀ ਪੈਂਡਿੱਚਿਆਂ ਆਪਡ੍ਰੋ  
ਬਾਈਅੱਕੇ ਹਾਲ ਚਾਲ ਰੈ ਥੈ ਪੁਛ੍ਹਦੈ ਲਾਗੀ। ਤੈਕੈ  
ਗੋਲਿਧਤ ਇਸ਼ਾਏਲ ਰੀ ਸੇਨਾਈ ਲੈਲਕਾਰਦੈ ਲਾਗੈ।



गोलियत इस्ताएँ री सैना खी लौलियाइयौ बोल्दै  
लागौ कि तुम माईं कौइ कुण जुणजौ मेरै साथै  
जुटियैलौ? अगर तुम माईं कौइ कोई मू औरा लौ  
तै आमै तुमारै गुलाम औइ लै, अगर तेस आऊँ  
औराऊलै तै तुमै सारै आमारै गुलाम बौणियौ  
आमारी सेवा कौरै लै।



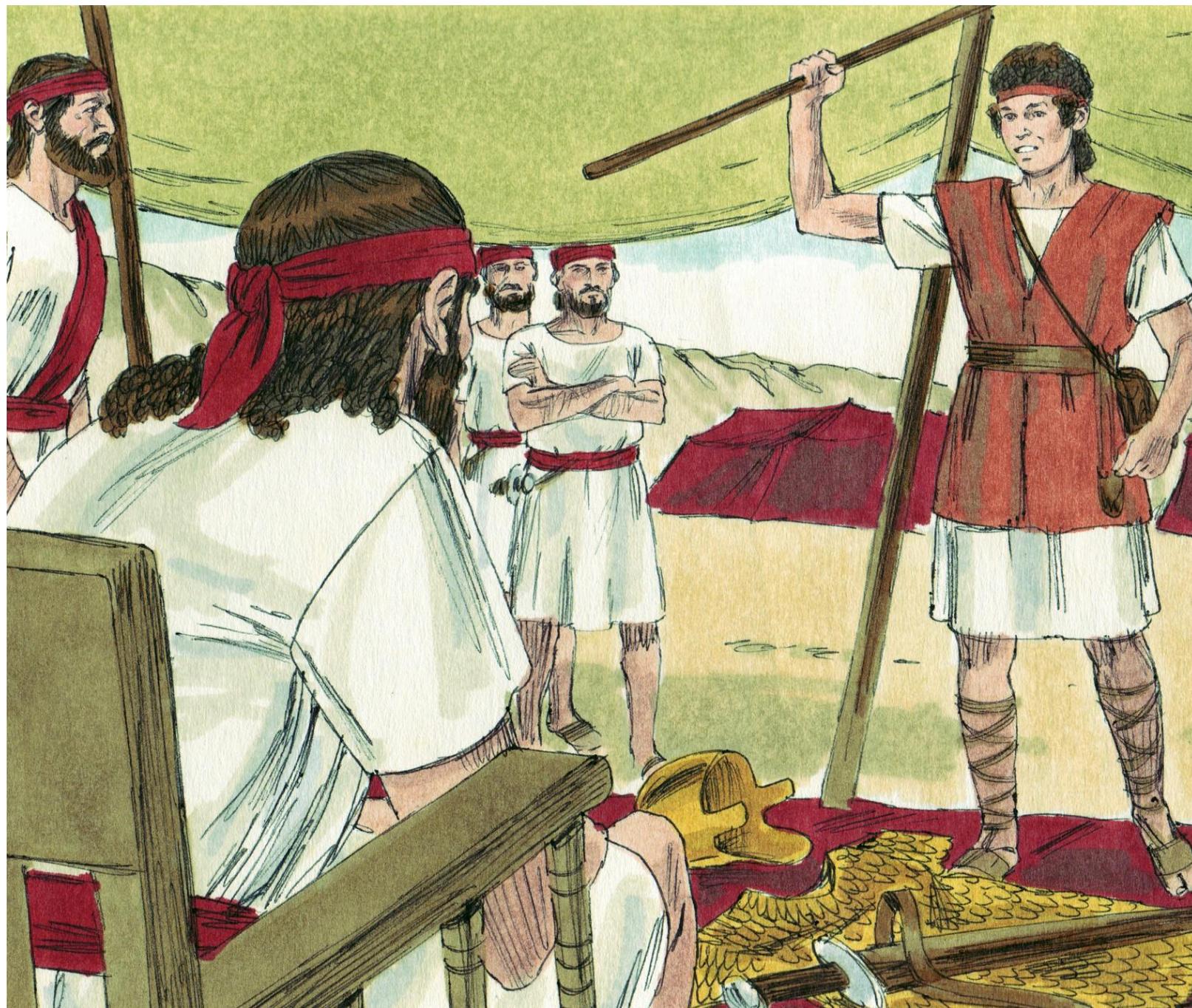
पर कासी री हिम्मत ना ऊँड तेसकाई डेणेरी, पर  
जौ दाऊदेइ एशौ शुणौ तै सेऊ बोल्दै लागौ कि  
एऊ कुणै जूण जिऊंदिया परमेश्वर री सैनाइ रौ  
लौलकारदै लागी। जौ शाऊल राजा कै दाऊद री  
एजी बुशै रौ पौतौ लागौ, तै तिणी दाऊद  
आपकाई औटाओ।



जँौ दाऊद शाऊल काई पौइंचौ तैबै दाऊदेइ  
शाऊल आरी बोलौ, कि तू परेशान ना औऊ,  
आऊँ जुटिऊ गोलियत रै साथै औज़ि एस आऊँ  
जँगु। पर शाऊलेइ बोलौ, कि तू तै इबी छोटौ  
ज़ाइं पर सेऊ एक लड़ाई कौरणै वाळौ तू तेस  
केशौ ज़ाँगी सौकै।



ਤੈਬੈ ਦਾਊਦੇਝ ਸ਼ਾਊਲ ਆਰੀ ਬੋਲਾਈ, ਜੇਤ੍ਰਾ ਆਉਂ  
ਆਪਡੈ ਪਾਪਾ ਰੀ ਕੇਡੁ ਬਾਕਰਿਊਂ ਚੌਰਾਊ ਥੈ, ਸੇਜੈ  
ਬੈਕਤੇ ਦੀ ਮੁੜੀ ਸ਼ੇਰ ਔਜ਼ਿ ਰੀਖ ਕੌਇ ਆਪਡੀ ਕੇਡੁ  
ਬਾਕਰਿਯੈ ਬੈਚਾਇ। ਮੁੜੀ ਸ਼ੇਰ ਔਜ਼ਿ ਰੀਖ ਦੁੜ੍ਹਿਆ  
ਜਾਂਗੈਨਦੈ, ਤੇਸੇਸ਼ਾਈ ਆਉਂ ਤੇਸ ਪਲਿਸ਼ਿਤਨ ਲਡਾਈ  
ਕੌਰਣੈ ਕਾਲ਼ੇਝ ਕੀ ਪੋਰੁ ਜਾਂਗੂ ਕੇਲਾਕਿ ਤਿਣੀ  
ਜਿਊਂਦਿਆ ਪਰਮੇਸ਼ਵਰ ਲੈਲਕਾਰੈ।



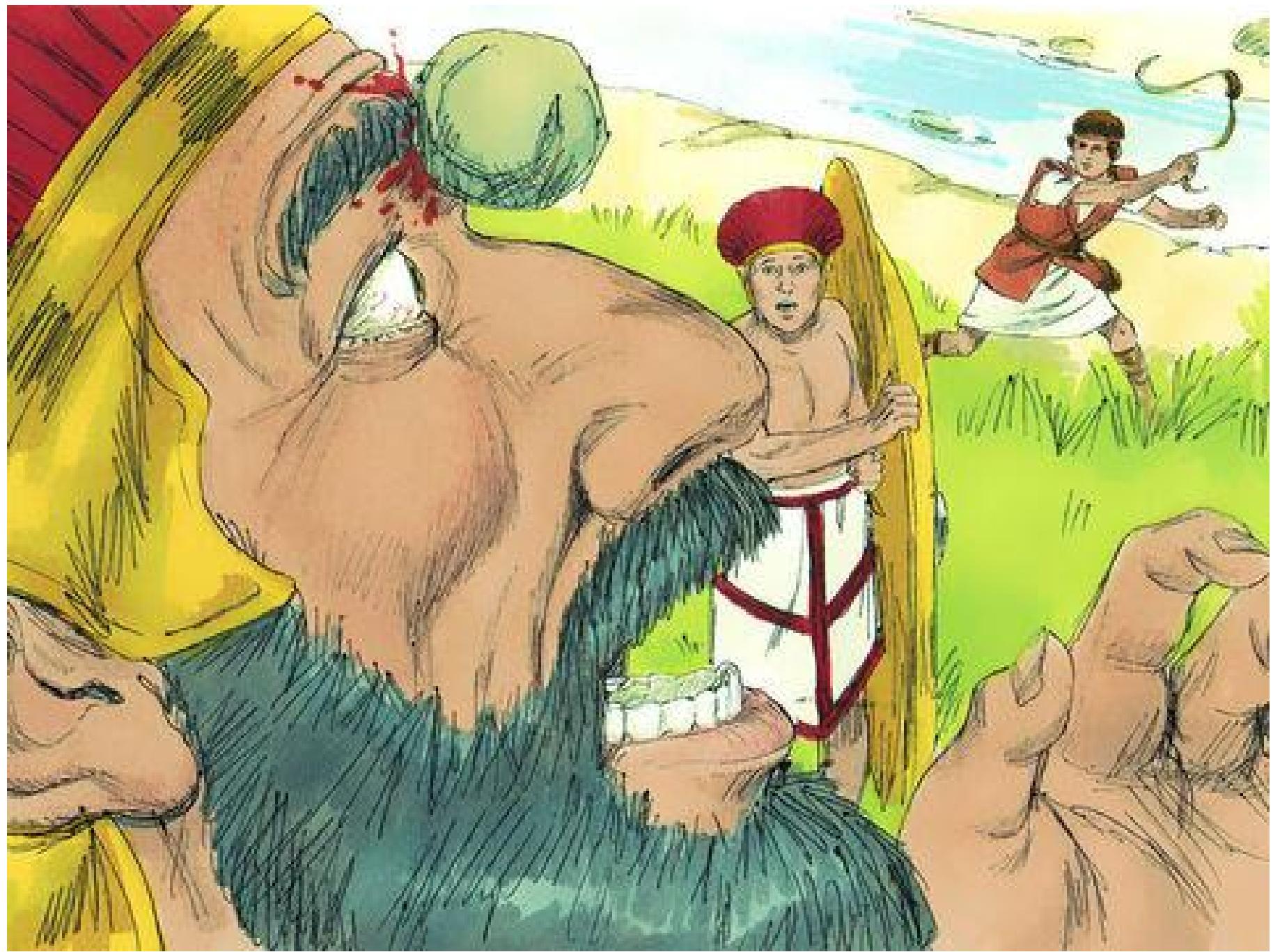
तैबै दाऊदेइ बोलौ, कि जेशौ आऊँ परमेश्वरेइ  
शेर औज़ि रीख कौइ बौच्चाओ, तेशौइ सेऊ मूँ एस  
जानदार गोलियत रै आथु कौइ बी बौच्चाए लौ,  
तैबै शाऊलोइ दाऊद आरी बोलौ, कि डेऊ  
परमेश्वर तेरै साथै रौयै लौ। तैबै दाऊद राजा री  
बुशै मानियौ गोलियत रै साथै लड़ाई कौरदै डैअ।



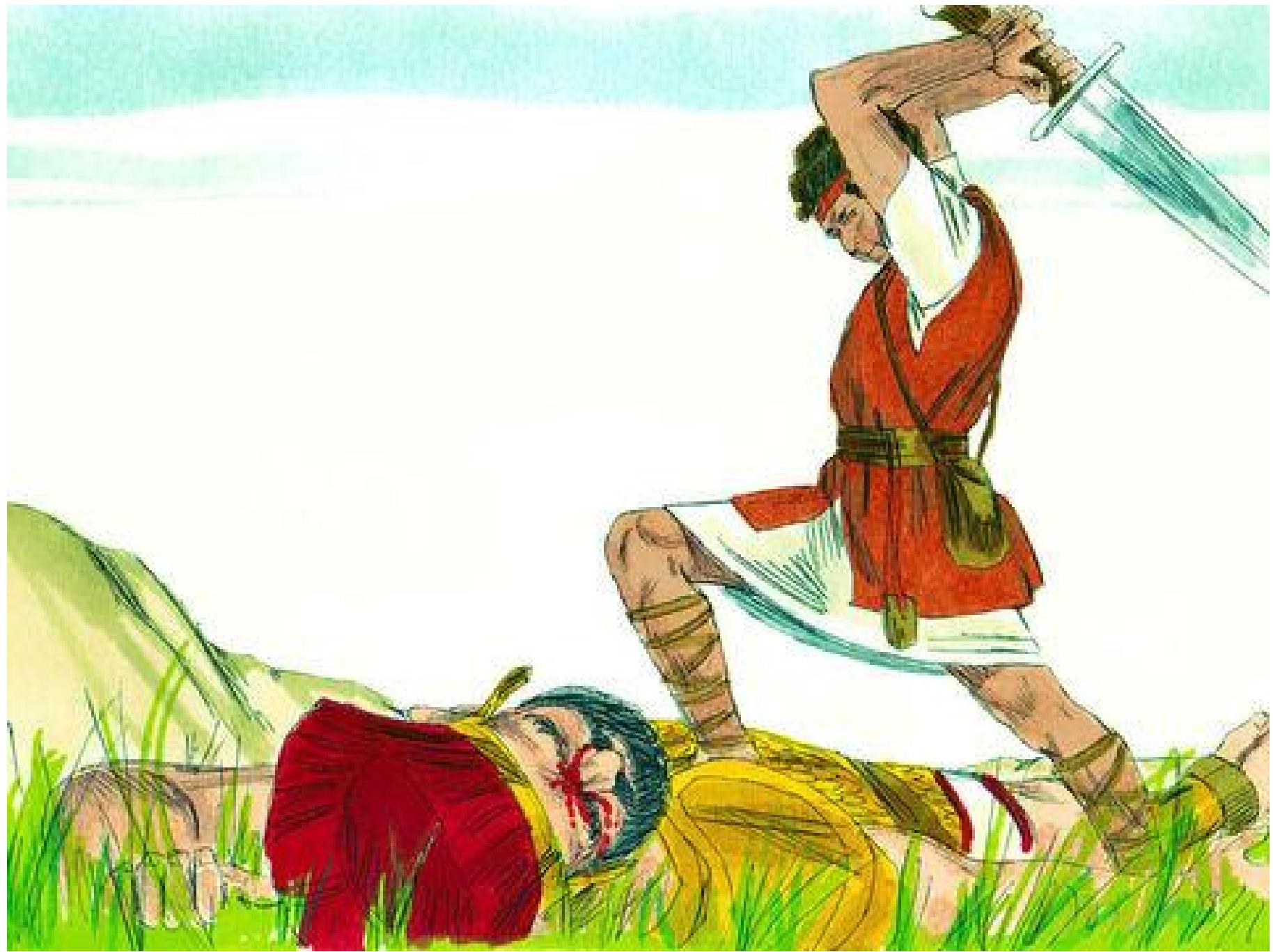
ਐਜ਼ਿ ਡੇਨਦੁ ਕਰੈ ਦਾਤਦੇਇ ਖੌਝਟੈ ਕਾਇ ਪਾਂਚ ਡੋਕ  
ਟਿਪਿਯੌ ਆਪਡੀ ਜੋਝਟੁਡੀ ਪੋਰੁ ਥੈਏ, ਐਜ਼ਿ ਸਾਥੀ  
ਆਥੇ ਦੀ ਫਿਂਕੁ ਗਿਣਿਯੌ ਗੋਲਿਧਤ ਰੈ ਸਾਥੈ ਲਡਾਈ  
ਕੌਰਦੈ ਠੈਅ। ਜ੍ਹੀ ਗੋਲਿਧਤ ਦਾਤਦ ਦੇਖੌ, ਤੈ ਸੇਊ  
ਤੇਸ ਦੇਖਿਯੌ ਔਸਦੈ ਲਾਗੌ ਕੇਲਾਕਿ ਸੇਊ ਦੇਖਣੇ  
ਖੀ ਛੋਟੀ ਥੈ।



तैबै गोलियतेइ बोलौ, का आऊँ कुकूर, तू नी  
मुँकाइ डिंगौ गिणियौ रौ आंडै लागी, तैबै  
दाऊदेइ तेसारी बोलौ तू तै बौरछौ औज़ि  
तौलवार गिणियौ आशै मुँकाइ। पर आऊँ  
ताऊँकाई ज़िऊँदिया परमेश्वर रै नौऊँ कौइ आऊ।  
सेऊ एत्रा ताऊँ मेरै आथे दी दै लौ, औज़ि आऊँ  
ताऊँ पोरु ज़ांगु।



ਤੈਬੈ ਸਾਰੀ ਦੁਨਿਆ ਏਂਸ਼ੌ ਜਾਣੈ ਲੀ ਕਿ ਇਸ਼ਾਏਲ ਦੀ  
ਏਕ ਪਰਮੇਸ਼ਰ, ਆਂਜ਼ਿ ਏਤਕੈ ਰੈ ਲੋਗ ਬੀ ਏਂਸ਼ੌ ਜਾਣੈ  
ਲੈ, ਕਿ ਪਰਮੇਸ਼ਰ ਤੌਲਵਾਰ ਆਂਜ਼ਿ ਬੌਰਛੈ ਕੌਇ ਜੀਤ  
ਨਾ ਦੇਆਨਦੌ। ਤੈਬੈ ਦਾਊਦੇਇ ਜ਼ੋਝਟੁੜੀ ਕੌਇ ਏਕ  
ਡੋਕ ਗਾਡਿਧੈ ਫਿਂਕੁ ਦੀ ਥੈ, ਤਿਣੀ ਸੇਊ ਡੋਕ  
ਗੋਲਿਧਤ ਰੈ ਕੌਪਾਲ਼ੇ ਖੀ ਏਂਸ਼ੌ ਫਿਰਕਾਅ ਕਿ ਸੇਊ  
ਡੋਕ ਤੇਸਰੈ ਕੌਪਾਲ਼ੇ ਦੀ ਬਿਤੈ ਡੈਅ।



गोलियत तेत्राइ दनी रुझौ, दाऊदेइ दौड़ियौइ  
गोलियत री तौलवार गिणी, तीं तौलवारी कौइ  
गोलियत रौ केकौं काटौ एशौ देखियौ सारै  
पलिश्तन तेतकौइ पोरु बागै, एशेशै कौइ  
परमेश्वरेइ दाऊद री बौज़ै कौइ इस्पाएल री  
ज़ीत कौराइ ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

धन्यवाद



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.